रूप सलोना | by Sunita Yadav

दरबार श्याम तेरा देख मैं तो तेरी हो गई
ओये रूप सलोना देख श्याम मैं पागल हो गई
पागल हो गई रे श्याम मैं तेरी हो गई
ओये रूप सलोना देख श्याम मैं पागल हो गई

जब आई खाटू धाम तो मैं सुध ही खो गई
मेरी नज़रें मिली बाबा से दिल के पार हो गई
मेरे बिगड़े दिन भी बदले मेरी पहचान हो गई
पहचान हो गई रे बाबा तेरी हो गई
ओये रूप सलोना देख श्याम मैं पागल हो गई

मैं थी पत्थर कोई रोड़ा मुझे हीरा बना दिया
उठा के ज़मी से तूने सीने से लगा लिया
जब आँख खुले खाटूवाले मैं तुझमे खो गई
तुझमे खो गई ने श्याम मैं तेरी हो गई
ओये रूप सलोना देख श्याम मैं पागल हो गई

कृपा कर कुछ ऐसी मेरी ज़िन्दगी बदल गई
फिरती थी मारी मारी तेरी शरण जो मिल गई
जब शरण मिली दासी ये सुनीता तेरी हो गई
तेरी हो गई सुनीता तेरी हो गई
ओये रूप सलोना देख श्याम मैं पागल हो गई

https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%b0%e0%a5%82%e0%a4%aa-%e0%a4%b8%e0%a4%b2%e0%a5%8b%e0%a4%a8%e0%a4%be-by-sunita-yadav/